

26 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आर्थिक विकास:

1. गरीबी का स्तर 5% से नीचे: नीति आयोग के प्रमुख का दावा
2. खाद्य खर्च में गिरावट से विकास पर ध्यान जाने की संभावना है:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

1. गगनयान से पहले इसरो के CE-20 इंजन के पास पहले से ही एक उल्लेखनीय विरासत है:

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

1. गूगल ने लोगों की AI छवियां उत्पन्न करने की जेमिनी की क्षमता को क्यों रोक दिया है?
2. एक नई सफलता:

सामाजिक न्याय:

1. सरोगेसी नियमों में संशोधन क्यों किया गया?

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. क्या आईएमईसी लाल सागर संकट का समाधान कर सकता है?

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. भारत वर्ष 2032 तक परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की संख्या में इजाफा करेगा:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

गरीबी का स्तर 5% से नीचे: नीति आयोग के प्रमुख का दावा

आर्थिक विकास:

विषय: योजना, संसाधन जुटाने, संवृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: गरीबी का स्तर।

विवरण:

- देश में 5% से भी कम भारतीयों के गरीबी रेखा से नीचे रहने का अनुमान है, जो गरीबी उन्मूलन प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत देता है।
- वित्त वर्ष 2022-23 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (Household Consumption Expenditure Survey (HCES)) के अनुसार, अत्यधिक दरिद्रता/गरीबी लगभग गायब हो गई है।

मुद्रास्फीति अंतर्दृष्टि:

- सरकारी अधिकारियों के अनुसार हाल के वर्षों में उच्च खुदरा मुद्रास्फीति की कहानी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया होगा।
- खुदरा मुद्रास्फीति के रुझानों को संभवतः अधिक आंका गया है, जो पहले की तुलना में अधिक स्थिर आर्थिक स्थिति का संकेत देता है।

उपभोग पैटर्न बदलना:

- अब ग्रामीण परिवार पहली बार भोजन पर अपने कुल खर्च का 50% से कम खर्च करते हैं।

- उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, सेवाओं और अन्य गैर-खाद्य वस्तुओं पर बढ़ते खर्च के साथ यह महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।
- उपभोग परिदृश्य विकसित हो रहा है, जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली को प्रतिबिंबित कर रहा है।

### **विविध खाद्य उपभोग:**

- हालाँकि दालों और अनाज जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों पर खर्च कम हो गया है, जबकि पेय पदार्थ, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, दूध और फलों पर खर्च बढ़ गया है।
- यह बदलाव भारतीयों के बीच अधिक विविध और संतुलित भोजन उपभोग पैटर्न का सुझाव देता है, जो बदलती आहार प्राथमिकताओं और बेहतर जीवन स्तर को दर्शाता है।

### **निष्कर्ष:**

- भारत का आर्थिक परिदृश्य गहरे बदलावों से गुजर रहा है, जिसमें गरीबी में कमी, मुद्रास्फीति स्थिरता और ग्रामीण लचीलेपन की कहानी को आकार दिया जा रहा है।
- विकसित हो रहा उपभोग पैटर्न एक अधिक समृद्ध और संतुलित समाज की ओर बदलाव को रेखांकित करता है, जो भारत की आर्थिक यात्रा में सकारात्मक प्रगति को दर्शाता है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

खाद्य खर्च में गिरावट से विकास पर ध्यान जाने की संभावना है:

आर्थिक विकास:

विषय: योजना, संसाधन जुटाने, संवृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: भोजन खर्च में कमी से विकास पर असर पड़ता है।

### **विवरण:**

- नवीनतम घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) के खुलासे के बाद भारत अपने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) को फिर से व्यवस्थित करने के लिए तैयार है, जो उपभोक्ता खर्च पैटर्न में एक उल्लेखनीय बदलाव का सुझाव देता है।
- इस समायोजन का मुद्रास्फीति की गतिशीलता और नीति निर्माण पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है।

### उपभोग पैटर्न में बदलाव:

- एचसीईएस के निष्कर्ष 2011-12 के सर्वेक्षण की तुलना में ग्रामीण और शहरी दोनों उपभोक्ताओं के लिए खाद्य व्यय के अनुपात में गिरावट का संकेत देते हैं।
- यह बदलाव समकालीन उपभोग आदतों को सटीक रूप से प्रतिबिंबित करने के लिए सीपीआई को पुनः व्यवस्थित करने की आवश्यकता को प्रेरित करता है।

### सीपीआई पुनर्रचना का महत्व:

- पुराने उपभोग पैटर्न पर आधारित वर्तमान सीपीआई, भोजन और पेय पदार्थों के व्यय पर अधिक जोर देता है।
- यह सुनिश्चित करने के लिए सूचकांक का पुनर्गठन महत्वपूर्ण है कि यह भारतीय परिवारों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की टोकरी को सटीक रूप से कैप्चर करता है।
- भोजन और अनाज के लिए कम भार के साथ एक पुनर्गणित सीपीआई से हेडलाइन मुद्रास्फीति दर कम होने की उम्मीद है।
- यह समायोजन नीति निर्माताओं, विशेष रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मौद्रिक नीतियों को लागू करने में अधिक लचीलापन प्रदान करता है।

- नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रमण्यम सहित अर्थशास्त्री, बदलते उपभोग रुझानों को प्रतिबिंबित करने के लिए सीपीआई को पुनः व्यवस्थित करने के महत्व को रेखांकित करते हैं।
- उनका तर्क है कि अधिक सटीक सीपीआई मुद्रास्फीति-लक्षित उपायों की प्रभावशीलता को बढ़ाएगी।

### जीडीपी निहितार्थ:

- सीपीआई की पुनर्गणना का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) गणना पर भी प्रभाव पड़ेगा।
- उपभोग पैटर्न में परिवर्तन जीडीपी अपस्फीति को प्रभावित करेगा और इसके परिणामस्वरूप, जीडीपी अनुमान, आर्थिक संकेतकों के परस्पर जुड़ाव को उजागर करते हैं।
- सीपीआई समायोजन का समय और उपभोग पैटर्न में बदलाव की सीमा मुद्रास्फीति दरों और जीडीपी गणना पर प्रभाव की भयावहता निर्धारित करेगी।

### निष्कर्ष:

- सीपीआई को पुनः व्यवस्थित करने की भारत की पहल उभरते उपभोग परिदृश्य को सटीक रूप से प्रतिबिंबित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। मुद्रास्फीति के उपायों को मौजूदा खर्च पैटर्न के साथ जोड़कर, नीति निर्माताओं का लक्ष्य सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों की प्रभावकारिता को बढ़ाना है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

गगनयान से पहले इसरो के CE-20 इंजन के पास पहले से ही एक उल्लेखनीय विरासत है:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

विषय: प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

मुख्य परीक्षा: अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी।

विवरण:

- भारत की अंतरिक्ष एजेंसी, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), CE-20 रॉकेट इंजन के लिए मानव-रेटिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करके एक महत्वपूर्ण मील के पथर पर पहुंच गई है।
- यह उपलब्धि स्वदेशी रॉकेटों पर अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की भारत की महत्वाकांक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

#### **CE-20 इंजन:**

- इसरो द्वारा विकसित CE-20 इंजन क्रायोजेनिक इंजन प्रौद्योगिकी में एक छलांग का प्रतिनिधित्व करता है।
- जीएसएलवी एमके III को शक्ति/ऊर्जा देने के लिए डिज़ाइन किया गया, जिसे अब एलवीएम-3 लॉन्च वाहन के रूप में जाना जाता है, सीई-20 इंजन एक स्वदेशी नवाचार है जिसका उद्देश्य भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं को बढ़ाना है।

#### **तरल ईंधन के लाभ और चुनौतियाँ:**

- तरल ईंधन, विशेष रूप से हाइड्रोजन, पारंपरिक रूप से रॉकेट मोटर्स में उपयोग किए जाने वाले ठोस ईंधन की तुलना में बेहतर प्रदर्शन और दक्षता प्रदान करते हैं।
- हाइड्रोजन दहन उच्चतम निकास वेग उत्पन्न करता है, जो इसे प्रणोदन प्रणालियों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।
- तरल ईंधन के फायदों के बावजूद, क्रायोजेनिक इंजनों को संभालना अनोखी चुनौतियाँ पेश करता है।
- CE-20 जैसे क्रायोजेनिक इंजनों में उपयोग किए जाने वाले तरल हाइड्रोजन को इसके बेहद कम तापमान और रिसाव की प्रवृत्ति के कारण विशेष बुनियादी ढांचे और सावधानीपूर्वक संचालन की आवश्यकता होती है।

**निष्कर्ष:**

- CE-20 इंजन की मानव-रेटिंग में इसरो की उपलब्धि भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाती है। जब देश मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों के लिए तैयारी कर रहा है, CE-20 इंजन भारत की तकनीकी शक्ति और पृथ्वी की सीमा से परे अन्वेषण की उसकी आकांक्षाओं के प्रमाण के रूप में खड़ा है।

**संपादकीय-द हिन्दू****संपादकीय:**

गूगल ने लोगों की AI छवियां उत्पन्न करने की जेमिनी की क्षमता को क्यों रोक दिया है?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

विषय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास और उनके अनुप्रयोग और रोजमर्रा की जिंदगी में प्रभाव; आईटी के क्षेत्र में जागरूकता।

मुख्य परीक्षा: वर्तमान AI के सामने समस्या और बेहतर विनियमन की आवश्यकता।

**विवरण: गूगल ने जेमिनी की छवि निर्माण को रोक दिया है**

- गूगल ने 22 फरवरी को जेमिनी (Gemini's) की लोगों की छवियां बनाने की क्षमता पर रोक लगाने की घोषणा की है।
- यह निर्णय जेनेरिक AI टूल द्वारा गलत ऐतिहासिक चित्र बनाने के उदाहरणों के बाद लिया गया, जिसमें अमेरिका के संस्थापकों और नाज़ी-युग के जर्मनी के विविध चित्रण शामिल हैं।
- जेमिनी द्वारा उत्पन्न छवियाँ आमतौर पर जेनेरिक AI में पाए जाने वाले चुनौतीपूर्ण लिंग और नस्लीय रूढ़िवादिता को चुनौती देती हैं।

**जेमिनी के संबंध में उपयोगकर्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दे:**



- उपयोगकर्ताओं ने उदाहरण देखे जहां जेमिनी ने श्वेत लोगों की छवियां बनाने से इनकार कर दिया, जिससे तथ्यात्मक रूप से गलत परिणाम सामने आए।
- यहां तक कि ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हस्तियों के संकेतों के परिणामस्वरूप ऐसे व्यक्तियों की छवियां सामने आयी जो श्वेत नहीं हैं, जिससे पूर्वाग्रहों के बारे में चिंताएं बढ़ गईं।
- "एक श्वेत परिवार" की छवियों के लिए पूछने वाले विशिष्ट संकेतों को एक निश्चित जातीयता या नस्ल को निर्दिष्ट करने वाली छवियां उत्पन्न करने में असमर्थता बताते हुए जैसीतिक्रियाएं मिलीं।
- हालाँकि, अश्वेत परिवार की छवियों के अनुरोध बिना किसी समस्या के पूरे कर दिए गए।

### **भारत में प्रतिक्रिया:**

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध में उत्पन्न प्रतिक्रिया के लिए जेमिनी को भारत में आलोचना का सामना करना पड़ा।
- मोदी के फासीवादी होने के बारे में एक सवाल के जवाब में, जेमिनी ने कहा कि उन पर कुछ विशेषज्ञों द्वारा फासीवादी के रूप में वर्गीकृत नीतियों को लागू करने का आरोप लगाया गया है।
- भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने इस प्रतिक्रिया को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानूनों और आपराधिक संहिताओं का उल्लंघन माना।
- यह घटना AI अनुसंधान के प्रति सरकार के दृष्टिकोण और तकनीकी दिग्गजों के एआई प्लेटफार्मों के बीच के तनाव को उजागर करती है।

### **तकनीकी समुदाय की प्रतिक्रिया:**

- तकनीकी समुदाय ने इसकी आलोचना व्यक्त की हैं, साथ ही पॉल ग्राहम और एना मोस्टारैक जैसे व्यक्तियों ने Google के मिशन और संस्कृति पर सवाल उठाया हैं।
- अन्य कर्मचारियों को ऑनलाइन अपमानित करने के संबंध में भय की संस्कृति के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं।

- गूगल डीपमाइंड के अलेक्सा गोर्डिक सहित पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों ने अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है।

### गूगल की आधिकारिक प्रतिक्रिया:

- गूगल ने जेमिनी के साथ आ रही समस्याओं को स्वीकार किया और छवि निर्माण सुविधा को अस्थायी रूप से अक्षम कर दिया।
- गूगल में उत्पादों के एक वरिष्ठ निदेशक जैक क्रॉवजिक ने वैश्विक उपयोगकर्ता आधार को दर्शाने वाले एआई सिस्टम को डिजाइन करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।
- गूगल का लक्ष्य जेमिनी की प्रतिक्रियाओं को ओपन-एंडेड संकेतों में परिष्कृत करना और सटीकता सुनिश्चित करने और पूर्वाग्रहों को कम करने के लिए ऐतिहासिक संदर्भों की अपनी समझ को बढ़ाना है।

#### **सारांश:**

- गूगल के जेमिनी AI को गलत और पक्षपातपूर्ण छवियां उत्पन्न करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिससे इसकी छवि निर्माण सुविधा में रुकावट आ गई है। भारत में, इसने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में एक प्रतिक्रिया के साथ विवाद को जन्म दिया, जिसने तकनीकी कंपनियों और सरकारों के बीच तनाव को उजागर किया।

#### एक नई सफलता:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

विषय: अंतरिक्ष के क्षेत्र में जागरूकता।

मुख्य परीक्षा: चंद्रमा पर नई भीड़ और निजी क्षेत्रों की संभावित भागीदारी।

#### विवरण:

- चंद्रमा मिशनों में पुनरुत्थान का अनुभव हो रहा है, जिसमें अधिक देश और सफलता की विविध परिभाषाएँ शामिल हैं।
- चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग इसरो की तकनीकी कौशल और औपनिवेशिक छाया से उभरने को दर्शाती है।
- लूना 25 की विफलता रूस के रोस्कोस्मोस को पुनर्मूल्यांकन करने और गलतियों से सीखने के लिए प्रेरित करती है।
- इंटुएटिव मशीन्स (IM) ने चंद्रमा पर रोबोटिक यान की सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाली पहली निजी कंपनी के रूप में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

#### **आईएम की उपलब्धि और सहयोगात्मक प्रयास:**

- आईएम की सफलता अंतरिक्ष अन्वेषण में सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालती है।
- आईएम का ओडीसियस मिशन, नासा के सीएलपीएस (कमर्शियल लूनर पेलोड सर्विसेज) कार्यक्रम का हिस्सा, निजी-सार्वजनिक भागीदारी की क्षमता को प्रदर्शित करता है।
- उतरने के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों के बावजूद, आईएम इंजीनियरों ने सफलतापूर्वक नेविगेट किया और ओडीसियस को चंद्रमा पर उतारा।
- आईएम की उपलब्धि नासा के सहयोग के मूल्य और एक विविध निजी अंतरिक्ष उद्योग परिदृश्य के महत्व को रेखांकित करती है।

#### **सीएलपीएस और भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए निहितार्थ:**

- आईएम की सफलता नासा के सीएलपीएस कार्यक्रम के संभावित विस्तार और सफलता को बढ़ाती है।

- सीएलपीएस मिशनों में नासा की भूमिका में मुख्य रूप से लैंडिंग साइटों की पहचान करना और पेलोड प्रदान करना, निजी अंतरिक्ष कंपनियों के बीच नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना शामिल है।
- आईएम की उपलब्धि अंतरिक्ष अन्वेषण के बोझ को साझा करने के लिए एक मजबूत निजी अंतरिक्ष उद्योग की आवश्यकता को रेखांकित करती है।
- भारत द्वारा हाल ही में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम में 100% स्वचालित विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को मंजूरी देना घरेलू प्रतिस्पर्धा और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में बदलाव का संकेत देता है।

### अंतरिक्ष अन्वेषण में व्यापक सहयोग:

- अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए राष्ट्रों और घरेलू अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच व्यापक सहयोग की आवश्यकता होती है।
- चंद्रयान-3 और आईएम के ओडीसियस जैसे सफल मिशन साझा ज्ञान और संसाधनों के लाभों को उजागर करते हैं।
- सहयोग का मूल्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों के भीतर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और नवाचार को बढ़ावा देने तक फैला हुआ है।
- अंतरिक्ष अन्वेषण और वैज्ञानिक खोज को आगे बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निजी-सार्वजनिक भागीदारी का विस्तार आवश्यक है।

### सारांश:

- चंद्रयान-3 और इंद्रुएटिव मशीन्स के ओडीसियस सहित चंद्रमा पर लैंडिंग, अंतरिक्ष अन्वेषण में वैश्विक पुनरुत्थान का संकेत देती है। आईएम की सफलता सहयोग और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के मूल्य को रेखांकित करती है, जो चंद्र अन्वेषण और अंतरिक्ष उद्योग के भविष्य को आकार देती है।

सुरोगेसी नियमों में संशोधन क्यों किया गया?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: संशोधित सुरोगेसी (विनियमन) नियम, 2022 से सम्बन्धित चिंता।

प्रसंग:

- सुरोगेसी (विनियमन) नियम, 2022 को हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा संशोधित किया गया था जिसमें पिछले प्रतिबंध को पलट दिया गया ताकि विवाहित जोड़ों को सुरोगेसी के लिए दाता अंडे या शुक्राणु का उपयोग करने की अनुमति मिल सके।
- यह संशोधन सुप्रीम कोर्ट में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के एक प्रतिनिधित्व द्वारा सरकार के विचार के बाद आया।

नई संशोधन शर्तें:

- हाल ही में किया गया संशोधन विवाहित जोड़ों को दाता युग्मक का उपयोग करने की अनुमति देता है यदि एक साथी गर्भधारण को प्रभावित करने वाली चिकित्सा स्थिति से पीड़ित है।
- संशोधन में विधवा या तलाकशुदा महिलाओं को दाता युग्मक प्राप्त करने से बाहर रखा गया है, जिससे उन्हें सुरोगेसी के लिए अपने स्वयं के अंडे और दाता शुक्राणु का उपयोग करने की आवश्यकता होगी।

सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप:

- 2023 के संशोधन, जिसने दाता अंडों के उपयोग की अनुमति नहीं दी थी, को एमआरकेएच (मेयर-रोकिटांस्की-कुस्टर-हॉसर) सिंड्रोम से पीड़ित एक महिला द्वारा सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी, जो चिकित्सा कारणों से अंडे का उत्पादन करने में असमर्थ थी।

- न्यायालय ने कहा कि संशोधन सरोगेसी अधिनियम, 2021 का खंडन करता है और जोड़ों के सरोगेसी के माध्यम से माता-पिता बनने के अधिकार में बाधा डालता है।
- न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने चिकित्सा चुनौतियों का सामना करने वाले जोड़ों के लिए गर्भकालीन सरोगेसी के महत्व पर जोर देते हुए संशोधन के संचालन पर रोक लगा दी।

### एकल महिलाओं के लिए विचार:

- विनियामक परिवर्तन एकल महिलाओं पर लागू नहीं होता है, जिसके लिए सरोगेसी से गुजरने वाली विधवाओं या तलाकशुदा महिलाओं को अपने स्वयं के अंडे और दाता शुक्राणु का उपयोग करने की आवश्यकता होती है।
- एक 44 वर्षीय अविवाहित महिला ने सरोगेसी अधिनियम, 2021 को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए तर्क दिया है कि ये प्रतिबंध उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।
- आलोचकों ने भेदभाव का हवाला देते हुए एकल व्यक्तियों, लिव-इन जोड़ों और एलजीबीटीक्यू जोड़ों को सरोगेसी सेवाओं तक पहुंचने से बाहर करने पर चिंता जताई है।

### सारांश:

- सरोगेसी (विनियमन) नियम, 2022 का संशोधन विवाहित जोड़ों को सरोगेसी के लिए दाता युग्मक का उपयोग करने की अनुमति देता है यदि एक साथी की चिकित्सा स्थिति से पीड़ित है। हालांकि, विधवा या तलाकशुदा महिलाओं को बाहर रखा जाता है, जिससे भेदभाव पर कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

क्या आईएमईसी लाल सागर संकट का समाधान कर सकता है?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के हितों पर विकसित एवं विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।

## मुख्य परीक्षा: लाल सागर संकट की पृष्ठभूमि में लाल सागर के वैकल्पिक मार्ग के रूप में आईएमईसी।

### प्रसंग:

- लाल सागर संकट चार महीने से बना हुआ है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है।
- मुद्दों में बढ़ा हुआ मालभाड़ा, विलंबित पोत कार्यक्रम और उत्पाद की कमी शामिल हैं।
- यह संकट वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमज़ोरी और वैकल्पिक व्यापार मार्गों का पता लगाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

### लाल सागर मार्ग का महत्व:

- यमन और जिबूती के बीच स्थित बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक व्यापार का लगभग 12% इसी मार्ग से होकर गुजरता है।
- संघर्ष ने केप ऑफ गुड होप के माध्यम से शिपमेंट के पुनः मार्ग को मजबूर किया है, जिससे लागत और देरी में वृद्धि हुई है।
- अधिक शिपिंग लागत के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं के लिए वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने की संभावना है।

### भारत पर प्रभाव:

- यूरोप और उत्तरी अफ्रीका के साथ भारत का व्यापार काफी हद तक लाल सागर मार्ग पर निर्भर करता है, जिसमें 24% निर्यात और 14% आयात होता है।
- बढ़ते खतरों के कारण भारतीय निर्यातकों ने लाल सागर के माध्यम से संक्रमण करने वाले लगभग 25% मालवाहक जहाजों को रोक दिया है।



- व्यापारियों में डर के कारण भारतीय शिपमेंट में गिरावट आई है, जिससे यूरोप और उत्तरी अफ्रीका के साथ द्विपक्षीय व्यापार प्रभावित हुआ है।

### वैकल्पिक मार्ग और चीन की भागीदारी:

- चीन अपनी चीन-यूरोप मालगाड़ियों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में बढ़ावा दे रहा है, जो बेल्ट एंड रोड पहल का हिस्सा है।
- भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (East-Europe Economic Corridor (IMEC) ) एक और विकल्प प्रदान करता है लेकिन इसमें ध्यान और निवेश का अभाव है।
- चुनौतियों में इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य की भेद्यता और ईरान के नियंत्रण को दरकिनार करने के लिए ओमान में विकास की आवश्यकता शामिल है।

### आईएमईसी को व्यवहार्य बनाना:

- गलियारे के आर्थिक लाभों, जैसे कम यात्रा समय और पारगमन लागत, को मापने के लिए अनुभवजन्य अध्ययन किया जाना चाहिए।
- सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और निजी क्षेत्र से निवेश आकर्षित करने के लिए एक मजबूत वित्तीय ढांचा स्थापित करना होगा।
- विभिन्न कानूनी प्रणालियों में व्यापार को नेविगेट करने के लिए एक व्यापक बहु-राष्ट्रीय परिचालन ढांचा विकसित करना होगा।
- गतिविधियों के समन्वय और चुनौतियों का समाधान करने के लिए आईएमईसी को समर्पित एक मंच तैयार करना होगा।

### सारांश:

- लाल सागर संकट वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करता है, जिससे वैकल्पिक मार्गों की आवश्यकता पर बल मिलता है। लाल सागर मार्ग पर भारत की भारी निर्भरता इसकी



कमजोरी को रेखांकित करती है। चुनौतियों के बावजूद, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) एक संभावित समाधान प्रदान करता है, जिसके लिए निवेश और बहु-राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है।

### प्रीलिम्स तथ्य:

#### 1. भारत वर्ष 2032 तक परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की संख्या में इजाफा करेगा:

#### प्रसंग: भारत की परमाणु क्षमता

#### सम्बन्धित जानकारी:

- भारत वर्ष 2032 तक 18 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर जोड़ने के लिए तैयार है, जिसकी संचयी क्षमता 13,800 मेगावाट बिजली उत्पादन करने की होगी। इससे वर्ष 2031-32 तक ऊर्जा मिश्रण में परमाणु ऊर्जा की कुल हिस्सेदारी बढ़कर 22,480 मेगावाट हो जाएगी।

#### महत्व:

- इनकी संख्या में नियोजित वृद्धि से भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलेगा, जो देश की ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता लक्ष्यों में योगदान देगा।

### महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

#### UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1.** 'द लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट' हर दो साल में निम्नलिखित में से किस संगठन द्वारा प्रकाशित की जाती है?

(a) प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN)

- (b) संरक्षण अंतर्राष्ट्रीय
- (c) वन्यजीव संरक्षण सोसायटी
- (d) वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर

**उत्तर: d**

**व्याख्या:**

- 'द लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट' वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (World Wide Fund for Nature (WWF)) द्वारा जारी एक द्विवार्षिक प्रकाशन है। यह विश्व के पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों की स्थिति का आकलन प्रदान करता है।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. व्यापार के लिए सहायता विश्व व्यापार संगठन (WTO) की एक पहल है, जो विकासशील देशों और विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों को व्यापार क्षमता और बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद करने से संबंधित है।
2. विश्व व्यापार संगठन का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय, मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, आमतौर पर हर दो साल में मिलता या बैठक करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

**उत्तर: c**

**व्याख्या:**

- व्यापार के लिए सहायता विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नेतृत्व में विकासशील देशों, विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों को उनके व्यापार-संबंधी बुनियादी ढांचे, नीतियों और क्षमताओं को बढ़ाने में सहायता करने के लिए एक पहल है।
- मंत्रिस्तरीय सम्मेलन डब्ल्यूटीओ के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय के रूप में कार्य करता है और

आम तौर पर व्यापार से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने और नीतिगत निर्णय लेने के लिए हर दो साल में बुलाता है।

**प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. चमेरा बांध हिमाचल प्रदेश में स्थित एक जलविद्युत परियोजना है।
2. यह रावी नदी पर बना है।
3. कोल्डम हाइड्रोपावर स्टेशन रावी नदी पर एक तटबंध बांध है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) उपरोक्त सभी

**उत्तर: b**

**व्याख्या:**

- चमेरा बांध भारत के हिमाचल प्रदेश में स्थित एक जलविद्युत परियोजना है।
- चमेरा बांध रावी नदी पर बनाया गया है। लेकिन कोल्डम हाइड्रोपावर स्टेशन हिमाचल प्रदेश में सतलज नदी पर स्थित तटबंध बांध है।

**प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. 12वीं पंचवर्षीय योजना अंतिम पंचवर्षीय योजना थी; जिसकी योजना अवधि वर्ष 2012-17 थी, इसके बाद नीति आयोग ने योजना आयोग को प्रतिस्थापित कर दिया था।
2. कृषि वानिकी के माध्यम से भारत की बंजर भूमि को बदलने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नीति आयोग द्वारा GROW पहल शुरू की गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1

- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

**उत्तर: c**

**व्याख्या:**

- 12वीं पंचवर्षीय योजना नीति आयोग की स्थापना से पहले की अंतिम योजना अवधि थी, जिसने 2015 में योजना आयोग का स्थान लिया।
- कृषि वानिकी के माध्यम से भारत की बंजर भूमि को बदलने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नीति आयोग द्वारा GROW पहल शुरू की गई थी।

**प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किसमें 'ट्राइक्लोसन' के विद्यमान होने की सर्वाधिक सम्भावना है, जिसके लंबे समय तक उच्च स्तर के प्रभावों में रहने को हानिकारक माना जाता है? PYQ (2021)**

- (a) खाद्य परिरक्षक
- (b) फल पकाने वाले पदार्थ
- (c) पुनः प्रयुक्त प्लास्टिक के पात्र
- (d) प्रसाधन सामग्री

**उत्तर: d**

**व्याख्या:**

- ट्राइक्लोसन अपने रोगाणुरोधी गुणों के कारण आमतौर पर साबुन, टूथपेस्ट, डिओडोरेंट और हैंड सैनिटाइज़र जैसे प्रसाधनों में पाया जाता है। हालाँकि, ट्राइक्लोसन के उच्च स्तर के लंबे समय तक संपर्क ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर इसके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं।

**UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**प्रश्न 1. वैश्विक व्यापार में लाल सागर मार्ग के रणनीतिक महत्व की जांच करते हुए इसके सामने आने वाली बहुमुखी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। इस महत्वपूर्ण समुद्री गलियारे की सुरक्षा और स्थिरता**

सुनिश्चित करने, चुनौतियों को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा उठाए जा सकने वाले उपायों का सुझाव दीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, अंतर्राष्ट्रीय संबंध] (Examine the strategic significance of the Red Sea route in global trade and discuss the multifaceted challenges it faces. Suggest measures that could be taken by the international community to mitigate challenges, ensuring the security and sustainability of this vital maritime corridor. (15 marks, 250 words) [GS-2, International Relations])

प्रश्न 2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) में विभिन्न क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता है। हालाँकि, AI सिस्टम में अंतर्निहित पूर्वाग्रह नैतिक और सामाजिक चुनौतियाँ पैदा करते हैं। एआई में पूर्वाग्रह के स्रोतों और समाज पर इसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए, इसके साथ ही समाज के सभी वर्गों के लिए समान परिणाम सुनिश्चित करने के लिए पूर्वाग्रहों को दूर करने के उपाय सुझाएं (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी] (Artificial Intelligence (AI) has the potential to revolutionize various sectors. However, AI systems inherent biases pose ethical and societal challenges. Discuss the sources of bias in AI, its impacts on society, and suggest measures to address biases to ensure equitable outcomes for all sections of society (15 marks, 250 words) [GS-2, Science and technology])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)